महीने में जुड़े 8 लाख पीएनजी कनेक्शन

गैस सप्लाई में सुधार, 50 लाख सिलिंडर डिलीवर

घरेलू मांग पूरी और कमर्शियल 80 प्रतिशत तक हुई पूरी

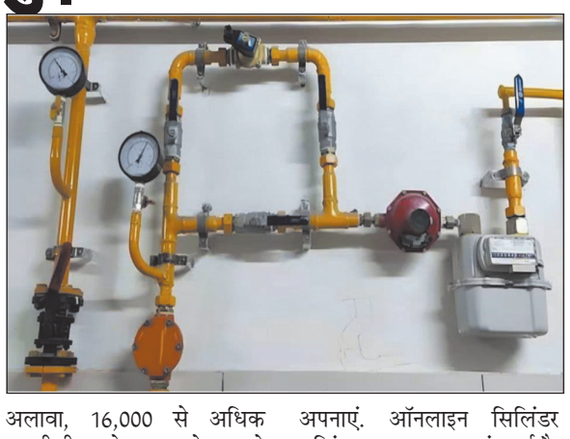

नई दिल्ली, 6 अप्रैल. केंद्र सरकार और प्रमुख गैस कंपनियों की सक्रिय पहल के चलते पिछले एक महीने में देशभर में आठ लाख नए पीएनजी (पाइप्ड नेचुरल गैस) कनेक्शन जोड़े गए हैं. इस पहल का मुख्य उद्देश्य घरेलू और कमर्शियल गैस उपयोग को बढ़ाना और सिलिंडरों पर निर्भरता कम करना है.

सरकारी अधिकारियों ने बताया कि इन नए कनेक्शनों में से लगभग आधे पहले ही चालू हो चुके हैं, जबकि बाकी प्रक्रिया में हैं. इसके अलावा, 16,000 से अधिक एलपीजी कनेक्शन स्वेच्छा से सरेंडर कर दिए गए हैं, ताकि सिस्टम पर दबाव कम हो और गैस वितरण में सहजता बनी रहे. सरकार ने लोगों को अपील की है कि वे जहां संभव हो, इंडक्शन और इलेक्ट्रिक कुकटॉप जैसे विकल्प अपनाएं. ऑनलाइन सिलिंडर बुकिंग अब 95त्न तक पहुंच गई है, जिससे वितरण में पारदर्शिता और आपूर्ति सुनिश्चित हुई है. इसके साथ ही, पोर्टेबल 5द्मद्द सिलिंडरों की बिक्री ने प्रवासी और आवश्यक लोगों के लिए राहत प्रदान की है. अधिकारियों के अनुसार, पर्याप्त कच्चे तेल और गैस स्टॉक मौजूद है और लगातार आपूर्ति की जा रही है.

> केंद्र सरकार और प्रमुख गैस कंपनियों की सामूहिक पहल से देशभर में पाइप्ड नेचुरल गैस कनेक्शन में पिछले एक महीने में जबरदस्त बढ़ोतरी दर्ज की गई है. सरकारी सूत्रों के अनुसार, इस अवधि में कुल आठ लाख नए पीएनजी कनेक्शन जोड़े गए हैं, जिनमें से लगभग आधे कनेक्शन पहले ही चालू हो चुके हैं. यह कदम घरेलू और वाणिज्यिक गैस उपयोग को बढ़ाने और सिलिंडरों पर निर्भरता घटाने के उद्देश्य से उठाया गया है. अधिकारी यह भी बता रहे हैं कि 16,000 से अधिक एलपीजी कनेक्शन स्वेच्छा से सरेंडर कर दिए गए हैं, ताकि जो लोग पाइप वाली गैस का इस्तेमाल कर रहे हैं, वे अतिरिक्त सिलिंडर अपने पास न रखें.

नियो ने अहमदाबाद में खोली फॉरेक्स शाखा

अहमदाबाद, 06 अप्रैल. ट्रैवल फिनटेक कंपनी नियो ने देश में 50-शाखाओं वाले फिजिटल नेटवर्क बनाने की योजना के तहत अहमदाबाद में अपनी नियो फॉरेक्स शाखा शुरू करने की सोमवार को घोषणा की. कंपनी ने एक रिपोर्ट में बताया कि अहमदाबाद शाखा का संचालन कांजी फॉरेक्स प्राइवेट लिमिटेड के तहत किया जा रहा है, जो भारतीय रिजर्व बैंक से लाइसेंस प्राप्त इकाई है. गुजरात ऐसा राज्य है जहां से पर्यटन और अध्ययन के लिए बड़ी संख्या में लोग विदेश जाते हैं तथा रेमिटेंस का काफी प्रवाह होता है. कंपनी ने पिछले सप्ताह ही चेन्नई शाखा शुरू की थी, जो इसके डिजिटल पेशकश के साथ-साथ अपने फिजिकल नेटवर्क को तेजी से बढ़ाने की दिशा में प्रयास को दर्शाता है.

डॉलर के मुकाबले रुपया हुआ मजबूत

12 साल की सबसे बड़ी तेजी, आरबीआई ने बदला खेल

मुंबई, 06 अप्रैल. भारतीय रिजर्व बैंक के कड़े कदमों के बाद भारतीय रुपये ने 12 साल की सबसे बड़ी तेजी दर्ज की है, जिससे वित्तीय बाजारों में हलचल तेज हो गई है. डॉलर के मुकाबले रुपया मजबूत होकर 92.83 के स्तर पर पहुंच गया है, जो हाल के दिनों में इसकी सबसे बड़ी मजबूती मानी जा रही है.

यह उछाल ऐसे समय आया है जब वैश्विक स्तर पर अनिश्चितताएं बनी हुई हैं, खासकर पश्चिम एशिया में तनाव के कारण. विशेषज्ञों के अनुसार आरबीआई द्वारा बैंकों की डॉलर पोजीशन पर सख्ती और ऑफशोर ट्रेडिंग पर नियंत्रण जैसे कदमों ने रुपये को मजबूती दी है. हालांकि, तेल की बढ़ती कीमतें और भू-राजनीतिक जोखिम अभी भी आगे के लिए चिंता का विषय बने हुए हैं. निवेशकों की नजर अब RBI की आगामी मौद्रिक नीति बैठक पर टिकी है, जो रुपये की दिशा तय करने में अहम भूमिका निभाएगी. भारतीय मुद्रा बाजार में इस समय बड़ा बदलाव देखने को मिल रहा है, जहां भारतीय रिजर्व बैंक के सख्त कदमों ने रुपये को नई मजबूती दी है. डॉलर के मुकाबले रुपया 0.3%मजबूत होकर 92.83 के स्तर पर पहुंच गया है. इससे पहले पिछले कारोबारी सत्र में इसमें 1.8% की जोरदार तेजी दर्ज की गई थी, जो सितंबर 2013 के बाद की सबसे बड़ी एकदिनी बढ़त मानी जा रही है. इस तेजी के पीछे आरबीआई की सख्त नीतियां मुख्य कारण हैं. केंद्रीय बैंक ने बैंकों की डॉलर पोजीशन को 100 मिलियन डॉलर तक सीमित कर दिया है और ऑफशोर नॉन-डिलिवरेबल फॉरवर्ड ट्रेडिंग पर भी नियंत्रण लगाया है. इसके साथ ही सट्टेबाजी वाले सौदों पर सख्ती बढ़ाई गई है. इन कदमों के चलते बाजार में डॉलर की मांग घटी और रुपये को मजबूती मिली. विशेषज्ञों का मानना है कि 10 अप्रैल की समयसीमा से पहले बैंक अपनी डॉलर होल्डिंग कम करेंगे, जिससे रुपये में और मजबूती आ सकती है.

सोना-चांदी की कीमतों ने बनाया रिकॉर्ड

मुंबई, 06 अप्रैल. भारतीय सर्राफा बाजार में 6 अप्रैल को एक बार फिर सोना और चांदी महंगे हो गए हैं, जिससे आम ग्राहकों और निवेशकों की चिंता बढ़ गई है. लगातार बढ़ती कीमतों के बीच सोना पहली बार 1.47 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम के पार पहुंच गया है, जबकि चांदी में भी तेज उछाल दर्ज किया गया है.

वैश्विक बाजारों में अस्थिरता और मजबूत निवेश मांग के चलते कीमती धातुओं की कीमतों में यह तेजी देखने को मिल रही है. इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन के ताजा आंकड़ों के मुताबिक, अलग-अलग शुद्धता वाले सोने की कीमतों में 750 से लेकर 1280 रुपये तक की बढ़ोतरी हुई है. वहीं चांदी की कीमतों में 3,000 रुपये से ज्यादा का उछाल आया है. इस तेजी का असर ज्वैलरी बाजार पर भी पड़ सकता है, जहां आने वाले दिनों में खरीदारी महंगी हो सकती है. देश के सर्राफा बाजार में सप्ताह की शुरुआत तेज बढ़त के साथ हुई है, जहां सोने और चांदी की कीमतों में एक बार फिर बड़ा उछाल दर्ज किया गया है. इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन द्वारा जारी ताजा दरों के अनुसार, 24 कैरेट (999 शुद्धता) सोने की कीमत बढ़कर 1,47,891 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गई है. यह पिछले कारोबारी सत्र यानी 2 अप्रैल की शाम के मुकाबले 1,283 रुपये की बढ़ोतरी दर्शाता है. इसी तरह 23 कैरेट (995 शुद्धता) सोने की कीमत 1,47,299 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई है, जो पहले 1,46,021 रुपये थी. 22 कैरेट सोने का भाव 1,35,468 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया है.

> 23 कैरेट (995 शुद्धता) सोने की कीमत 1,47,299 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई है, जो पहले 1,46,021 रुपये थी. 22 कैरेट (916 शुद्धता) सोने का भाव 1,35,468 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया है, जिसमें 1,175 रुपये की तेजी आई है. इसके अलावा 18 कैरेट (750 शुद्धता) और 14 कैरेट (585 शुद्धता) सोने में भी क्रमशः 962 रुपये और 750 रुपये की बढ़ोतरी दर्ज की गई है. चांदी की बात करें तो इसकी कीमतों में और भी ज्यादा तेजी देखने को मिली है. 999 शुद्धता वाली चांदी की कीमत 2,31,028 रुपये प्रति किलो (या 10 ग्राम के अनुपात में) पहुंच गई है

शुरुआती गिरावट से उबरे शेयर बाजार, सेंसेक्स 787 अंक चढ़ा

मुंबई, 06 अप्रैल. विदेशों से मिले मिश्रित संकेतों के बीच घरेलू शेयर बाजारों में सोमवार को शुरुआती गिरावट के बाद तेजी देखने को मिली और बीएसई का सेंसेक्स 787.30 अंक (1.07 प्रतिशत) चढ़कर 74,106.85 अंक पर बंद हुआ. नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी-50 सूचकांक भी 255.15 अंक यानी 1.12 प्रतिशत की बढ़त में 22,968.25 अंक पर पहुंच गया. दोनों प्रमुख सूचकांकों का यह करीब दो सप्ताह का उच्चतम स्तर है. मझौली और छोटी कंपनियों में भी लिवाली का जोर रहा. निफ्टी मिडकैप-50 सूचकांक 1.55 फीसदी और स्मॉलकैप-100 सूचकांक 1.29 फीसदी ऊपर रहा. तेल एवं गैस और मीडिया समूहों को छोड़कर सभी सेक्टरों में लिवाली हावी रही.

जल स्रोतों को मिला नया जीवन

मप्र-छग के 15 जिलों में जलाशयों से हटाया गया सैकड़ों किलो कचरा

रिलायंस फाउंडेशन के 'वॉटर फॉर लाइफ' अभियान को मिल रहा जनसहयोग

मुंबई, 06 अप्रैल. विश्व जल दिवस 2026 के अवसर पर रिलायंस फाउंडेशन द्वारा शुरू किया गया अभियान अब एक बड़े जन-आंदोलन का रूप ले रहा है. इस पहल के अंतर्गत मात्र 10 दिनों में मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ के 15 जिलों में स्वयंसेवकों ने एकजुट होकर 153 से अधिक जल स्त्रोतों की सफाई की.

अभियान के दौरान मध्यप्रदेश के 11 जिलों के 144 से अधिक कस्बों तथा छत्तीसगढ़ के 4 जिलों के 9 गांवों में सैकड़ों किलो कचरा हटाकर नदियों के घाटों, तालाबों और अन्य जल स्त्रोतों को पुनर्जीवित किया गया. इस मिशन में नर्मदा नदी के घाटों सहित छत्तीसगढ़ के विभिन्न जल स्त्रोत शामिल रहे, जहां स्थानीय किसान, महिलाएं, युवा और रिलायंस के कर्मचारियों ने सक्रिय रूप से श्रमदान किया. देशव्यापी स्तर पर इस अभियान को व्यापक समर्थन मिला. 15 राज्यों और 1 केंद्र शासित प्रदेश के 108 जिलों में 33,000 से अधिक स्वयंसेवकों ने भाग लिया. अभियान के दौरान 912 गांवों और कस्बो से लगभग 85,000 किलो कचरा हटाकर नदियों के घाटों, झीलों और तटीय क्षेत्रों को स्वच्छ एवं पुनर्जीवित किया गया. इस मिशन में कोच्चि बीच, नर्मदा नदी के घाट और रंकाला झील जैसे प्रमुख स्थल शामिल रहे.

> यह अभियान रिलायंस फाउंडेशन के ग्रामीण परिवर्तन कार्यों का विस्तार है, जिसके तहत अब तक 2,000 लाख क्यूबिक मीटर से अधिक जल संचयन किया जा चुका है. 2,500 प्रशिक्षित 'विलेज क्लाइमेट चैंपियंस' के नेतृत्व में यह पहल जल साक्षरता और अपशिष्ट प्रबंधन को बढ़ावा दे रही है, ताकि सामुदायिक भागीदारी के माध्यम से जल सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके.

मार्च में सेवा क्षेत्र मजबूत विदेशी ऑर्डर में उछाल

मुंबई, 06 अप्रैल. पश्चिम एशिया संकट के बावजूद इस साल मार्च में सेवा क्षेत्र की तेजी बरकरार रही. एचएसबीसी द्वारा सोमवार को जारी भारत सेवा खरीद प्रबंधक सूचकांक (पीएमआई) रिपोर्ट में बताया गया है कि मार्च में एक ओर जहां नये कारोबार और सेवा गतिविधियों के विस्तार की गति जनवरी 2025 के बाद के निचले स्तर पर दर्ज की गयी, वहीं दूसरी ओर विदेशों से मिले ऑर्डर में अब तक की दूसरी सबसे बड़ी तेजी रही.

मार्च में सेवा क्षेत्र का पीएमआई 57.5 दर्ज किया गया, जो फरवरी के 58.1 से कम है. लगातार दूसरे महीने गिरने के बावजूद यह मजबूत विस्तार दिखाता है. सूचकांक का 50 से ऊपर रहना गतिविधियों में वृद्धि और इससे कम रहना गिरावट दिखाता है. वहीं, 50 स्थिरता दर्शाता है. भारत में एचएसबीसी के मुख्य अर्थशास्त्री प्रांजुल भंडारी ने आंकड़ों पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि मार्च में मांग मजबूत बनी रही, जिसमें विदेशों से मिले नये ऑर्डरों में साल 2024 के मध्य के बाद की सबसे बड़ी तेजी का बड़ा योगदान रहा.

ऑफलाइन और ऑनलाइन व्यापार में हो समानता : खंडेलवाल

नई दिल्ली, 06 अप्रैल.सांसद और अखिल भारतीय व्यापारी परिसंघ के राष्ट्रीय महामंत्री प्रवीन खंडेलवाल ने सरकार से ई-कॉमर्स एवं क्विक कॉमर्स कंपनियों की बढ़ती अनुचित व्यापारिक प्रथाओं पर तत्काल और कठोर कार्रवाई करने तथा ऑफलाइन और ऑनलाइन व्यापार के लिए समान अवसर सुनिश्चित करने की मांग की.

श्री खंडेलवाल ने रविवार को जारी एक बयान में कहा कि विदेशी पूंजी से संचालित कुछ ई-कॉमर्स कंपनियां देश के व्यापारिक वातावरण को असंतुलित कर रही हैं और नौ करोड़ से अधिक ऑफलाइन व्यापारियों के सामने गंभीर चुनौती खड़ी कर रही हैं, जो देश की आपूर्ति श्रृंखला और रोजगार का प्रमुख आधार हैं. उन्होंने कहा कि बेहद कम मूल्य निर्धारण, अत्यधिक छूट, डार्क पैटर्न्स, मार्केटप्लेस के नाम पर इन्वेंट्री आधारित मॉडल, चुनिंदा विक्रेताओं को प्राथमिकता और डार्क स्टोर्स का तेजी से विस्तार न केवल प्रतिस्पर्धा के खिलाफ हैं, बल्कि छोटे और मध्यम व्यापारियों के अस्तित्व के लिए खतरा बन चुकी हैं.

ग्लोबल तनाव के बीच ऑटो सेक्टर में 'हेल्दी ग्रोथ'

नई दिल्ली, 6 अप्रैल. वैश्विक भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं के बावजूद भारत का ऑटो रिटेल सेक्टर चालू वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही (अप्रैल-जून) में सकारात्मक वृद्धि दर्ज कर सकता है. फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशन की ताजा रिपोर्ट में यह अनुमान जताया गया है. रिपोर्ट के अनुसार, उत्तर भारत में शादी का सीजन, रबी फसल के बाद बढ़ी ग्रामीण आय और जीएसटी 2.0 से आई वहनीयता का लाभ इस अवधि में मांग को समर्थन देगा.

पिता को गिफ्ट में भेजी रकम टैक्स फ्री मानी जाएगी

सरनेम अलग होने से टैक्स फ्री गिफ्ट पर कोई असर नहीं

नई दिल्ली, 6 अप्रैल. नए वित्त वर्ष की शुरुआत में कई लोगों के मन में यह सवाल उठता है कि अगर बेटे और पिता का सरनेम अलग हो, तो बैंक ट्रांसफर को इनकम टैक्स के नजरिए से गिफ्ट माना जाएगा या नहीं.

अहमदाबाद के टैक्स एक्सपर्ट मुकेश पटेल ने सीएनबीसी आवाज के टैक्स गुरु प्रोग्राम में इस उलझन को सरल तरीके से समझाया. उन्होंने कहा कि कानून में सरनेम या नाम नहीं, बल्कि रिश्ता मायने रखता है. हाल ही में मध्य प्रदेश के अभिषेक बंसल ने अपने पिता अग्रवाल के खाते में 10 लाख रुपये ट्रांसफर किए. उनका डर था कि सरनेम अलग होने की वजह से इनकम टैक्स विभाग इसे अनजान व्यक्ति को भेजा गया पैसा मान कर टैक्स लगा दे. एक्सपर्ट पटेल ने स्पष्ट किया कि पिता-पुत्र का खून का रिश्ता सरनेम अलग होने पर भी वैध रहता है और इसलिए यह पूरी तरह टैक्स फ्री गिफ्ट माना जाएगा.

भविष्य में किसी भी विवाद से बचने के लिए पटेल ने सलाह दी कि बड़े पैसे भेजते समय लिखित सबूत रखें. इसके लिए महंगे स्टैंप पेपर या कानूनी दस्तावेज की जरूरत नहीं है; सादे कागज या ईमेल पर यह स्पष्ट रूप से लिख देना पर्याप्त है कि यह पैसा गिफ्ट के रूप में दिया गया है.

वित्त वर्ष की शुरुआत में एक आम लेकिन जटिल सवाल अक्सर उठता है- अगर पिता और पुत्र का सरनेम अलग है तो बैंक ट्रांसफर को क्या इनकम टैक्स के नजरिए से गिफ्ट माना जाएगा? हाल ही में मध्य प्रदेश के अभिषेक बंसल ने अपने पिता अग्रवाल के खाते में 10 लाख रुपये ट्रांसफर किए.

समाचार विशेष

पार्थ का कंट्रोल, अरोरा की छुट्टी

एनसीपी में बड़ा फेरबदल तय! पवार परिवार ने वापस ली कमान

मुंबई. राकां में अब पार्टी कंट्रोल करने को लेकर पूर्व डीसीएम अजीत पवार का परिवार पूरी तरह एक्टिव हो गया है. मुंबई के देवगिरी बंगले पर उपमुख्यमंत्री सुनेत्रा पवार की मौजूदगी में अहम बैठक हुई. सूत्रों का दावा है कि बैठक में सुनेत्रा पवार, पार्थ पवार, प्रदेशाध्यक्ष सुनील तटकरे और नरेश अरोरा शामिल हुए. इस दौरान 'डिज़ाइन बॉक्स' कंपनी को दोबारा काम देने को लेकर तीखा विवाद हुआ, अरोरा को आगे मौका न देने पर सहमति बनी. पार्टी ने नरेश अरोरा की छुट्टी कर दी है.

पार्थ ने नासिक सेक्स स्कैंडल मामले में फंसी पार्टी नेता रुपाली चाकणकर के खिलाफ भी फैसले लेने में हुई देरी पर नाराजगी जताई. उन्होंने कहा कि कोई भी नेता पार्टी हित से ऊपर नहीं है. पार्टी के अहम फैसलों से पवार परिवार को दरकिनार किए जाने से भी पार्थ नाराज हैं. यही वजह है कि उन्होंने पार्टी को कंट्रोल में लेने का फैसला किया है. हालांकि मीटिंग के बाद राकां सांसद मीडिया से बात करने से परहेज करते हुए वहां से निकल गए.

> **सुनेत्रा के नेतृत्व में पार्टी आगे बढ़ेगी**
>
> पार्थ के साथ मीटिंग खत्म के बाद सुनील तटकरे ने कहा कि दिवंगत अजीत पवार के साथ मैं 25 साल से भी ज्यादा समय तक जुड़ा रहा. हम सबकी इच्छा है कि दादा जिस तरह से पार्टी को आगे ले जाना चाहते थे. उनके सपनों को पूरा किया जाए. उसी को ध्यान में रखते हुए हम सभी ने सुनेत्रा पवार के मार्गदर्शन में आगे भी काम करने का फैसला किया है.

कांग्रेस की राजनीति से सपा परेशान

लखनऊ. उत्तर प्रदेश में अगले साल विधानसभा चुनाव होने वाले हैं और उससे पहले पार्टियों की पोजिशनिंग शुरू हो गई है. भाजपा के नेतृत्व वाला एनडीए एकजुट है क्योंकि उसकी सहयोगी पार्टियों के नेता केंद्र सरकार में मंत्री हैं और इसलिए वे राज्य की राजनीति में ज्यादा मोलभाव करने की स्थिति में नहीं हैं. लेकिन विपक्षी गठबंधन में जबरदस्त खींचतान चल रही है. यह खींचतान सबसे ज्यादा मुस्लिम और दलित वोट को लेकर है. इसमें कांग्रेस और सपा एक दूसरे पर दबाव बनाने की राजनीति कर रहे हैं. पिछले दिनों कांग्रेस छोड़ कर नसीमुद्दीन सिद्दीकी ने सपा का दामन थामा. वे पहले बसपा में थे. कांग्रेस ने इसे अपनी राजनीति के लिए चुनौती माना है.

तभी पिछले दिनों उत्तर प्रदेश के कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय ने सपा के सबसे बड़े मुस्लिम नेता रहे आजम खान की पत्नी तंजीम फातिमा से मुलाकात की. हालांकि इसे शिष्टाचार मुलाकात कहा जा रहा है. परंतु सबको पता है कि ऐसी मुलाकातों के राजनीतिक मकसद होते हैं. ध्यान रहे आजम खान के परिवार के प्रति बसपा के नेता भी सद्भाव दिखा रहे थे.

फूलका की एंट्री 'मोरल कैपिटल' जोड़ने की कोशिश

चंडीगढ़. दिल्ली में वरिष्ठ वकील और मानवाधिकार कार्यकर्ता हरविंदर सिंह फूलका का बीजेपी में शामिल होना सिर्फ एक राजनीतिक खबर नहीं है. यह पंजाब की राजनीति में बदलते नैरेटिव का संकेत है. करीब सात साल की सक्रिय राजनीति से दूरी के बाद उनकी वापसी, और वह भी बीजेपी के साथ, कई स्तरों पर सवाल और संभावनाएं दोनों पैदा करती है. यह कदम ऐसे समय आया है, जब बीजेपी 2027 विधानसभा चुनाव को ध्यान में रखते हुए पंजाब में अपनी सामाजिक और राजनीतिक पकड़ मजबूत करने की कोशिश कर रही है.

फूलका की पहचान एक राजनेता से पहले एक कानूनी योद्धा की रही है. 1984 के सिख विरोधी दंगों के पीड़ितों के लिए दशकों तक लड़ाई लड़ना, कई मामलों को फिर से खुलवाना और दोषियों को सजा दिलाना, इन सबने उन्हें सिख समाज में एक विश्वसनीय चेहरा बनाया. बीजेपी के लिए फूलका की एंट्री इसी 'मोरल कैपिटल' को जोड़ने की कोशिश है. खासकर उस राज्य में, जहां पार्टी की पारंपरिक पकड़ कमजोर रही है.

फूलका का बीजेपी में आना किसी एक दिन का फैसला नहीं लगता. यह उस रणनीति का हिस्सा है, जिस पर पार्टी पिछले कुछ वर्षों से काम कर रही है. 2021 में मनजिंदर सिंह सिरसा और हरमीत सिंह जैसे नेताओं को पार्टी में शामिल करना इसी दिशा में पहला कदम था. दिल्ली में इसका असर भी दिखा, जहां सिख वोटरों में भारतीय जनता पार्टी की पकड़ मजबूत हुई. अब बीजेपी उसी मॉडल को पंजाब में दोहराने की कोशिश कर रही है, ताकि संगठन के साथ-साथ पंथिक नेतृत्व में भी प्रभाव बढ़ाया जा सके. पार्टी सिख चेहरों को आगे लाकर अकाली दल के पारंपरिक वोट बैंक में सेंध लगाने की रणनीति पर काम कर रही है, जिसमें फूलका अहम कड़ी बन सकते हैं.

आप के लिए चुनौती : नैरेटिव बनाम गवर्नेंस

पंजाब में फिलहाल सत्ता आम आदमी के पास है. आप ने 2022 में 'परिवर्तन' और 'ईमानदार राजनीति' के नैरेटिव पर जीत हासिल की थी. लेकिन एच एस फूलका जैसे नेता, जो कभी आप का अहम चेहरा थे और बाद में उससे अलग हो गए, यह आप के नैरेटिव को चुनौती देता है. फूलका का अतीत आप के साथ जुड़ा रहा है, लेकिन उनका पार्टी छोड़ना और अब बीजेपी में जाना इस बात का संकेत देता है कि पंजाब की राजनीति में वैचारिक और रणनीतिक दोनों स्तरों पर बदलाव जारी है.

विशेष | क्या बदल देंगे वेस्ट की सियासी तस्वीर?

पश्चिम बंगाल में एक साथ आईं तीन पार्टियां

कोलकाता. पश्चिम बंगाल की सियासी फिजाओं में इस बार बदलाव की एक नई सुगबुगाहट है. साल 2021 के विधानसभा चुनावों में जिस वाम मोर्चे का सूपड़ा साफ हो गया था, वह इस बार अपनी खोई हुई जमीन वापस पाने के लिए एक नए और मजबूत कलेवर में नजर आ रहा है.

कोलकाता में हुई एक घोषणा ने बंगाल की राजनीति में नई बहस छेड़ दी है. वाम मोर्चे के चेयरमैन बिमान बोस ने इस बार अकेले चलने के बजाय पुराने और नए साथियों को साथ लेकर चलने का फैसला लिया है. अब बंगाल के लोगों के पास कई विकल्प हो गए हैं.

लेफ्ट ने इस बार अपनी रणनीति को काफी लचीला और समावेशी बनाया है. बुधवार को हुए समझौते के अनुसार, पश्चिम बंगाल की कुल 294 विधानसभा सीटों में से वाम मोर्चा खुद 252 सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारेगा. इस गठबंधन में इंडियन सेकुलर फ्रंट (आईएसएफ) को 30 सीटें दी गई हैं, जबकि सीपीआई (एमएल) लिबरेशन के हिस्से में 8 सीटें आई हैं. बिमान बोस ने साफ शब्दों में कहा कि मौजूदा राजनीतिक माहौल में यह चुनाव उनके लिए एक बड़ी चुनौती और अवसर दोनों है. पिछली बार के चुनाव में लेफ्ट का खाता भी नहीं खुला था और आईएसएफ को केवल एक सीट पर संतोष करना पड़ा था, इसलिए इस बार कोई भी गलती न करने की ठानी गई है.

बड़े भाई की भूमिका में सीपीआई-एमएल- वाम मोर्चे के भीतर भी सीटों का बंटवारा इस तरह किया गया है कि हर घटक दल की मौजूदगी बनी रहे. हमेशा की तरह इस बार भी सीपीआई-एम सबसे बड़े भाई की भूमिका में है और राज्य की 195 सीटों पर अपनी किस्मत आजमाएगी. इसके बाद ऑल इंडिया फॉरवर्ड ब्लॉक को 23 सीटें मिली हैं, जबकि सीपीआई और आरएसपी को 16-16 सीटों पर चुनाव लड़ने का मौका दिया गया है.

> **वोटों का बंटवारा रोकने नया चक्रव्यूह**
>
> इस गठबंधन का मुख्य उद्देश्य उन मतों को एकजुट करना है जो अक्सर अलग-अलग दलों में बंट जाते थे. पश्चिम बंगाल में दो चरणों में होने वाले इस चुनाव में 23 अप्रैल और 29 अप्रैल को जनता अपने मताधिकार का प्रयोग करेगी. बिमान बोस की रणनीति स्पष्ट है कि अगर विपक्षी वोट एकजुट रहे, तो सत्ताधारी दल और मुख्य विपक्षी दल के लिए राह आसान नहीं होगी.